हज और गंगा सिर्फ गरीबों का नजरिया है, वरना अमीरों के पाप तो राजनीति धो देती है।

तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 32 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 07-05-2024 से 13-05-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

राजा राममोहन राय ने खत्म की थी सती प्रथा, ऐसे ही मैंने वंशवाद समाप्त किया-मोदी

इटावा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के गढ़ रहे इटावा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वंशवाद की राजनीति पर प्रहार करते हुए कहा कि राजा राममोहन राय ने जिस तरह सती प्रथा का अंत किया था वैसे ही उन्होंने भी राजघरानों की राजनीति वाली प्रथा खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि पहले राज घरानों के लोग सीएम बन जाते थे लेकिन आज गरीब का बेटा भी ऐसे पद पर पहुंच सकता है। इटावा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैनपुरी और कन्नौज की जनता को भी संबोधित कर रहे थे। वहीं तीनों ही सीटों के भाजपा प्रत्याशी भी मंच पर मौजूद थे।

मैनपुरी दिवंगत मुलायम सिंह यादव की लोकसभा सीट हुआ करती थी। इस बार यहां से उनकी बहू और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव मैदान में हैं। वहीं कन्नौज सीट से इस बार अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे थे। अब तक कन्नौज से डिंपल यादव सांसद थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच से मुलायम सिंह यादव को भी याद किया और कहा कि 2019 के चुनाव से पहले उन्होंने संसद में जो आशीर्वाद दिया था वह वरदान बन गया। उन्होंने कहा था कि मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे।

पीएम मोदी ने कहा, आज नेताजी हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन संयोग देखिए कि आज उनके भाई भाजपा की जीत के लिए अपील कर रहे हैं। उन्होंने आखिरकार अपनी दिली इच्छा जता दी। बता दें कि कुछ दिन पहले ही शिवपाल यादव की जुबान फिसल गई थी और उन्होंने एसपी की जगह भाजपा को वोट देने की बात कह दी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, जिस तरह कुछ लोग रायबरेली और अमेठी को अपनी प्रॉपर्टी मानते हैं उसी तरह ये लोग मैनपुरी, कन्नौज और इटावा को अपनी संपत्ति मान बैठे हैं। लेकिन मोदी गरीबों के बारे में सोचता है। मोदी की जिम्मेदारी हैकि देश के हर माता और बहन को शौचालय मिले। दलितों और वंचितों को बिजली और पानी की सुविधा मिले। गरीबों को मुफ्त में राशन मिले। मोदी की जिम्मेदारी सबके लिए हैं। क्या पता आपके बीच से ही कोई 2047 में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन जाए। इस चायवाले ने उस प्रथा को खत्म कर दिया जिसमें राजा का बेटा ही पीएम और सीएम बनता था।

महामंडलेश्वर मन्दाकिनी ने पीया जहर, हालात नाजुक

उज्जैन। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकनी ने जहरीला कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की है। महामंडलेश्वर मंदाकनी को गंभीर हालत में उनके शिष्य जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

उन पर पंचायती अखाड़े के महामंडलेश्वर की उपाधि दिलाने के नाम पर 7 लाख 50 हजार रुपये लेने के आरोप लगाए गए हैं। उन पर एक दिन पहले ही एफआईआर दर्ज की गई थी। बताया जाता है कि इससे आहत होकर महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने यह कदम उठाया है। मन्दाकिनी ने अपने आश्रम में जाकर कीटनाशक पीया। महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने तीन लोगों पर मानसिक प्रताड़ना और साजिश रचने के आरोप लगाए हैं।

अखड़ा परिषद ने महामंडलेश्वर मंदाकनी को निष्कासित कर दिया है। उनके खिलाफ गलत आचरण की कई शिकायतें पहुंची थीं। अखाड़ा परिषद की कार्यवाही के बाद उज्जैन के स्थानीय संत मंडल ने भी तुरंत प्रभाव से मंदाकिनी को निष्कासित कर दिया है। यह जानकारी स्थानीय संत मंडल के अध्यक्ष महंत रामेश्वर गिरी महाराज जूना अखाड़ा ने दी।

अब किसी भी धार्मिक कार्यक्रम, कथा भंडारे आदि में मंदाकिनी आमंत्रित नहीं किया जाएगा।

बताया जाता है कि उज्जैन के निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकनी पर महंत सुरेश्वरानंद पुरी महाराज ने 7 लाख 50 हजार रुपये की धोखधड़ी के आरोप लगाते हुए सोमवार देर रात चिमनगंज थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने कहा था कि महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी ने उन्हें श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े में महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने का लालच देकर ठगी की है। पुलिस ने इस शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

सम्पादकीय

संप्रभुता का अतिक्रमण तकलीफदेह

पड़ोसी देश नेपाल ने पिछले कुछ समय से भारत को लेकर जैसा रवैया अख्तियार किया हुआ है, उससे साफ है कि वह चीन के प्रभाव में कुछ अवांछित फैसले भी कर रहा है। हालांकि उसे यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत जैसे पड़ोसी के संप्रभु क्षेत्र में अगर वह दस्तावेजी तौर पर नाहक दखलअंदाजी करने की कोशिश करता है तो वह एक तरह से उकसावे की कार्रवाई है। गौरतलब है कि नेपाल सरकार ने सौ रुपए के नए नोट छापने का फैसला किया है, जिस पर देश का एक नक्शा भी होगा। किसी भी देश का यह अपना फैसला होता है कि वह अपनी मुद्रा पर क्या प्रतीक चिह्न देता है।

मगर उसमें अगर किसी पड़ोसी देश की संप्रभुता के अतिक्रमण का संकेत दिखेगा तो यह निश्चित तौर पर आपत्तिजनक है। नेपाल ने सौ रुपए के नोट पर जो नक्शा छापने का फैसला किया है, उसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी इलाके भी शामिल हैं, जबकि ये भारत के सीमा क्षेत्र में हैं। पिछले चौंतीस वर्षों से वह भारत के इन तीनों क्षेत्रों को अपना बता कर विवाद को जटिल बनाता रहा है।

भारत के लिए यह तकलीफदेह इसलिए भी है कि सदियों से नेपाल के साथ मधुर रिश्ते रहे हैं।

इसी वजह से नेपाल के सबसे विकट समय में भी भारत ने उसका साथ दिया है, हर स्तर पर आगे बढ़ कर मदद पहुंचाई है। अफसोस की बात है कि नेपाल भारत के साथ अपने पुराने संबंधों की गरिमा को ताक पर रख कर अब कूटनीतिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी नहीं समझ रहा है।

नेपाल की ओर से यह विवाद करीब चार वर्ष पहले भी उठा था, जब उसने देश के नए राजनीतिक और प्रशासनिक नक्शे की मंजूरी के लिए संसद में पेश किया था।

सवाल है कि जो इलाके लंबे समय से और आधिकारिक तौर पर भारत का हिस्सा रहे हैं, उन पर दावा जता कर नेपाल क्या हासिल करना चाहता है! अभी तक भारत, नेपाल के इस रुख पर तीखी प्रतिक्रिया देकर शांत रह जाता रहा है। मगर अब उसे इस मसले के हल के लिए अपनी ओर से ठोस पहल करने की जरूरत है।

मोदी सरकार में ही मुसलमानों की हुई तरक्की

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा भारत में मुसलमानों की स्थिति की तुलना तानाशाह एडॉल्फ हिटलर के दौर में जर्मनी में यहूदियों से की जा रही है। ओवैसी अपने भाषणों में कह रहे हैं, 'आज के भारत में मुसलमानों की स्थिति वैसी ही है जैसी स्थिति 1930 के दशक में हिटलर के दौर में यहूदियों ने देखी या अनुभव की थी। गैस चैंबर आखिरी पड़ाव था, उससे पहले फिल्में बनती थीं, नफरत फैलाने वाले भाषण होते थे, इसकी एक पूरी प्रक्रिया थी। चुनाव जीतने के लिए मुसलमानों को घुसपैठिया कहा जा रहा है। हिटलर भी यहूदियों के लिए यही कहता था कि वे मूल जर्मन नहीं थे।' वस्तुतः असदुद्दीन ओवैसी के नफरती भाषण की तरह ही कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के कई नेता मुलसमानों के विकास को लेकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार को घेर रहे हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन सभी की नजरों में मुसलमानों के अपराधी हैं । किंतु क्या वास्तविकता में ऐसा है? देखा जाए तो हकीकत इसके उलट है। विकास के आंकड़े खास तौर पर मुसलमानों को लेकर बता रहे हैं कि उनका हर तरह से विकास मोदी युग के भारत में संभव हुआ है, जोकि इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला। पहले पांच साल में मोदी सरकार ने इस समाज के लिए 22 हजार करोड़ रुपये की अलग-अलग योजनाएं शुरू की थीं। सरकार ने कानून बनाकर तीन तलाक को खत्म किया। हज कोटे को दो लाख तक बढ़ाया गया था। इसके बाद तो जैसे एक के बाद एक नई योजनाएं एवं कार्य मुस्लिमों के हक में मोदी सरकार द्वारा किए जाने की झड़ी सी लगते हुए देखा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, उस्ताद योजना, मुद्रा योजना समेत जितनी भी योजनाएं केंद्र सरकार की चल रही हैं उसका सबसे ज्यादा लाभ जनसंख्यात्मक आंकड़ों में मुसलमानों को ही मिला है।

उड़ान योजना में सरकार ने मुस्लिम छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए फ्री कोचिंग व्यवस्था उपलब्ध कराई है। इस स्कीम के तहत घर में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले मुसलमान विद्यार्थियों को 1500 रुपये और बाहर रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को 3000 रुपये दिए जा रहे हैं। शादी शगुन योजना के तहत ग्रेजुएशन करने वाली मुस्लिम लड़कियों को 51000 रुपये की राशि शादी शगुन के तौर पर देने का काम किया जा रहा है। इसी प्रकार की एक उस्ताद योजना है जोकि मुस्लिम कारीगरों को और ज्यादा एक्सपर्ट बनाने के लिए उन्हें ट्रेनिंग देने का काम करती है। इसके तहत कारीगरों को मुसलमानों के पारंपरिक कला और हस्तकला को धार देने के लिए कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित करने का काम किया जा रहा है। इस दृष्टि से एक योजना सीखो और कमाओ योजना को भी देखा जा सकता है मोदी की सरकार ने मुस्लिम युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से इस स्कीम को शुरू किया है। मुस्लिम युवाओं को कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार की ओर प्रोत्साहित करने के साथ ही प्रशिक्षित 75 प्रतिशत मुस्लिम युवाओं को रोजगार मुहैया कराने की अनिवार्यता इसमें रखी गई है। ईदी योजना पर कोई बात नहीं करता, किंतु केंद्र की मोदी सरकार पांच करोड़ मुस्लिम विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति देने का कार्य इसके अंतर्गत होता है। इस योजना में खास बात यह है कि योजना का लाभ उठाने वाले में 50 प्रतिशत मुस्लिम छात्राएं ही होती हैं। योजना मुसलमानों में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए शुरू की गई है। केंद्र की मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट की राशि बढ़ाई है। तीन तलाक का दंश झेल रही मुस्लिम महिलाओं को कानून बनाकर उन्हें बराबर का हक दिलाने का काम मोदी सरकार के रहते ही पूरा हो सका है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मुसलमानों के लिए सऊदी अरब से आग्रह कर न सिर्फ हज का कोटा बढ़वाया बल्कि उस पर लगने वाली जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। वह नरेन्द्र मोदी की सरकार ही है, जिसके केंद्र में रहते छह लाख से अधिक वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के कागजातों का डिजिटलीकरण करवाने का काम पूरा हो सका है। ऐसे ही मुस्लिम विकास के जुड़े मोदी युग के अन्य भी तमाम आंकड़ें मौजूद हैं। यदि यहां इसके बारे में लिखने जाएंगे तो एक लाख शब्द भी कम हैं।

यहां मुलसमानों के हक में केंद्र सरकार द्वारा उनके कल्याण के लिए प्रधानमंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम का जिक्र करना भी अनिवार्य लगता है । जिसमें एकीकृत बाल विकास सेवाओं की समुचित उपलब्धता, विद्यालयीन शिक्षा की उपलब्धता को सुधारना, उर्दू शिक्षण के लिये और अधिक संसाधन, मदरसा शिक्षा आधुनिकीकरण, अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, मौलाना आजाद शिक्षा प्रतिष्ठान के माध्यम से शैक्षिक अधोसंरचना को उन्नत करना, गरीबों के लिए स्वरोजगार एवं मजदूरी रोजगार योजना, तकनीकी शिक्षा के माध्यम से कौशल का उन्नयन, आर्थिक क्रियाकलापों के लिए अभिवृद्धित ऋण सहायता, राज्य एवं केंद्रीय सेवाओं में भर्ती, ग्रामीण आवास योजना में उचित हिस्सेदारी, अल्पसंख्यक समुदायों वाली मलिन (गंदी) बस्तियों की स्थिति में सुधार, सांप्रदायिक घटनाओं की रोकथाम, सांप्रदायिक अपराधों के लिये अभियोजन, सांप्रदायिक दंगों के पीड़ितों का पुनर्वास को प्रमुखता से रखा है।

अभी हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी का एक साक्षात्कार मीडिया में आया, उसमें प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक का क्या भविष्य है, इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर बताया भी कि कैसे 'भारत में रहने वाले धार्मिक माइक्रो माइनॉरिटी' तक 'दुनिया में अन्य जगहों पर उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद, उन्हें (मुस्लिम अल्पसंख्यक) भारत में एक सेफ हैवन मिल गया है। वे खुशी से रह रहे हैं और समृद्ध हो रहे हैं। वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी जो कह रहे हैं, उसकी सच्चाई यह है कि इस्लामिक मामलों के जानकार डॉ. फैयाज अहमद फैजी, राजनीतिक विश्लेषक अमाना बेगम अंसारी जैसे अनेक विद्वान एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो यह खुले मन से स्वीकारते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि मुसलमान मतदाता भाजपा को लेकर आशंकित रहते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 10 साल के शासनकाल में मुसलमानों ने यह देखा है कि उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं का ठीक उसी प्रकार लाभ मिल रहा है, जैसे कि हिंदुओं या समाज के किसी अन्य वर्ग को मिल रहा है। बल्कि ज्यादा गरीबी होने के कारण कई स्थानों पर मुसलमान लोग केंद्र सरकार की योजनाओं का ज्यादा लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में उनके मन से यह डर दूर हुआ है कि मोदी के सत्ता में आने के बाद उसके साथ किसी तरह का भेदभाव होता है। आप कई अन्य चीजों के लिए भाजपा की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इस सरकार के अलावा किसी के पास व्यक्तिगत कानूनों में सुधार करने की इच्छा दिखाई नहीं दी है। पूरी कौम का तेजी के साथ विकास हो रहा है।

केरल में समुद्र है वर्ना पता नहीं राहुल कहां गए होते-मुख्यमंत्री मोहन यादव

गुना। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे नेता अपने विरोधियों की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं और एक-दूसरे पर तंज कसने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुना लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान जहां कांग्रेस पर जमकर हमला बोला, वहीं राहुल गांधी पर भी जमकर तंज कसा। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल कर अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा का अधिकार छीना है। भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के समथर्न में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने दावा किया कि राहुल गांधी हार के डर से पहले अमेठी से केरल के वायनाड भाग गए और अब वायनाड में हार की संभावना को देखते हुए रायबरेली पहुंच गए। उन्हें रायबरेली में भी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केरल में समुद्र है वर्ना पता नहीं कि राहुल कहां गए होते। यादव ने कहा कि राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में पोस्टर लगवाए हैं कि वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन ये अपने जीजा के भी नहीं हुए। राहुल गांधी ने अपनी बहन का अधिकार छीनकर रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश के रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला रणनीतिक है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि बीजेपी परेशान है क्योंकि उसे पता है कि यह फैसला कितना महत्वपूर्ण और रणनीतिक है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया था। राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी ने साल 2004 से 2024 तक रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। अब वह राजस्थान से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो गई हैं। राहुल केरल के वायनाड से सांसद हैं और उस सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं।

सीएम डॉ. यादव ने शहीद जवान को दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय वायु सेना पर हुए आतंकी हमले के बलिदानी छिंदवाड़ा निवासी कॉरपोर्ल विक्की पहाड़े का पार्थिव देह सोमवार को नागपुर से उनके पैतृक गांव छिंदवाड़ा लाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने चुनावी दौरे रद्द कर शहीद जवान के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उनके पैतृक गांव छिंदवाड़ा पहुंचे। सीएम डॉ. यादव ने बलिदान हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े को पुष्प चक्र अर्पित किया और गार्ड का ऑनर दिया। उन्होंने बलिदानी विक्की पहाड़े की मां से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे बहादुर जवान पर हमें गर्व है, जिसने अपने कर्तव्य की बलिवेदी पर मातृ सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित किया। जम्मू कश्मीर में कायराना हमला हुआ, जिन्होंने यह हमला किया उनको उसकी कीमत चुकाना पड़ेगी। शहीद को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए स्मृति द्वार, वार्ड का नामकरण से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृत करेंगे। राज्य सरकार शहीद के परिजनों के एक करोड़ की सहायता राशि प्रदान करने के लिए चुनाव आयोग को प्रस्ताव भेज रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव की इस बेला में अपना कार्यक्रम परिवर्तित करके वे छिंदवाड़ा पहुंचे हैं, क्योंकि हमारे लिए चुनाव प्रचार से कहीं ज्यादा जरूरी बलिदानी का सम्मान है।

मप्र की 9 सीटों पर एक करोड़ 77 लाख 52 हजार से अधिक मतदाता करेंगे मतदान

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तीसरे चरण में मध्यप्रदेश के नौ संसदीय क्षेत्रों में मंगलवार, 7 मई को मतदान होना है। इन क्षेत्रों में 20 हजार 456 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां 81 हजार से अधिक कर्मचारी मतदान संपन्न कराएंगे। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सोमवार को बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तीसरे चरण में नौ संसदीय क्षेत्रों में एक करोड़ 77 लाख 52 हजार 583 मतदाता मतदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की गई है। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे।

राजन ने बताया कि यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो 13 फोटोयुक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता अपना मतदान कर सकेंगे।

फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकते है। उन्होंने सभी मतदाताओं से उत्साह के साथ मतदान जरूर करने का आग्रह किया है।

विधायक निर्मला सप्रे भाजपा में शामिल

सागर। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी में मानो भगदड़ सी मची है। देश के अलग-अलग हिस्सों से कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। अब मध्य प्रदेश में बीजेपी ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। सागर जिले में कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने हाथ का साथ छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया है। बीजेपी में शामिल होने के बाद निर्मल सप्रे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की जमकर तारीफ भी की है।

निर्मला सप्रे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम मोहन यादव के पास विकास का एजेंडा है। मैं विकास की राह में शामिल हुई हूं। कांग्रेस के पास भविष्य का कोई एजेंडा नहीं है। उसके पास भविष्य में विकास की कोई आशा नहीं है। निर्मला सप्रे सागर जिले की बिना विधानसभा सीट से विधायक हैं। मध्य प्रदेश के सीएम डॉक्टर मोहन यादव समेत अन्य पार्टी नेताओं की मौजूदगी में निर्मला सप्रे ने बीजेपी का दामन थामा है। निर्मला सप्रे मध्य प्रदेश की तीसरी ऐसी विधायक हैं जिन्होंने लोकसभा चुनाव के बीच बीजेपी का दामन थाम लिया है। उनसे पहले विजयपुर से विधायक रामिवास रावत और अमरवदा से विधायक कमलेश शाह ने भी बीजेपी का दामन थाम लिया था। बिना से विधायक निर्मला सप्रे ने कहा कि उन्हें जीतू पटवारी द्वारा एक एससी महिला पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से वो उदास थीं। उन्होने कहा कि कांग्रेस में महिलाओं का सम्मान नहीं है।

सागर जिले में एक भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वो (राहुल गांधी)को खुद नहीं पता कि वो क्या करने जा रहे हैं। साल 2004 से साल 2014 तक कांग्रेस पार्टी ठीक से शासन कर रही थी लेकिन जैसे ही राहुल गांधी को लॉन्च किया गया विकास खत्म होने लगा। साल 2019 में उन्हें फिर से लॉन्च किया गया। उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनाया गया लेकिन उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा।

निर्मल सप्रे एससी वर्ग से आती है। सागर जिले में वो कांग्रेस की एकमात्र विधायक थीं। अब निर्मला सप्रे के बीजेपी में शामिल हो जाने के वाद यहां से कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। लोकसभा चुनाव के बीच निर्मला का बीजेपी में शामिल होना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका भी माना जा रहा है।

पोलिंग बूथ पहुचां बुजुर्ग मतदाताओं के घर

उज्जैन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव में सभी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 85 वर्ष अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है।

उज्जैन लोकसभा के लिए पहले दिन 1354 बुर्जुग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उज्जैन संसदीय क्षेत्र की उज्जैन उत्तर विधानसभा के अन्तर्गत निवासी 87 वर्षीय इंदु गुप्ता के चेहरे पर उस समय खुशी देखते ही बनती थी जब पीठासीन अधिकारी पोलिंग बूथ लेकर उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मतदान कर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाने पर हमें गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक उम्र होने के कारण उन्हें चलने फिरने में बहुत समस्या होती है।पहले मतदान केन्द्र में जाकर मतदान करने के लिए परिजनों का सहारा लेना पड़ता था। हमारे जैसे मतदाओं की परेशानी को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने अब पोलिंग बूथ ही हमारे घर पर भिजवा दिया है। लोकतंत्र में हमारी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए होम वोटिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए उन्होंने निर्वाचन आयोग को हृदय से धन्यवाद दिया।

दौलतगंज निवासी 93 वर्षीय श्रीमती देवमणि शर्मा ने भी अपने घर से मतदान किये जाने की सुविधा के तहत लाभ प्राप्त किया। मतदान दल द्वारा उन्हें मतदान की प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी गई तथा मतदान सम्पन्न कराया गया।

इसी प्रकार 87 वर्षीय ऋषि नगर निवासी यशपालजी, 86 वर्षीय उन्हेल निवासी गुलाबबाई, 45 वर्षीय दिव्यांग श्रीमती रूकमाबाई, 90 वर्षीय उज्जैन निवासी गंगादेवी ने भी होम वोटिंग के अन्तर्गत घर बैठे अपने मत का प्रयोग किया।

मतदान दल द्वारा इन बुजुर्ग मतदाताओं और उनके परिजनों को मतदान की प्रक्रिया समझाई गई और उसके पश्चात सभी औपचारिकताएं पूर्ण की गई।

जल मंदिर का शुभारंभ

उज्जैन। ग्रीष्म ऋतु में राहगीरों हेतु शीतल जल की व्यवस्था करते हुए भारत विकास परिषद शाखा अवंतिका द्वारा अनंत नारायण मंदिर बुधवारिया बाजार में जल मंदिर की स्थापना की गई। जल मंदिर का शुभारंभ राजेन्द्र शाह अध्यक्ष, विट्ठल नागर सचिव, मनीष चौधरी कोषाध्यक्ष, चिराग शाह प्रांतीय सह कोषाध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रांतिय सह कोषाध्यक्ष अजय मिश्रा, सुधीर तोमर, मनोज मंडल, नीरज पोरवाल, सुमित खण्डेलवाल, रमेश पोरवाल, कमलेश शर्मा, किरण चौधरी, संजूलता पोरवाल आदि उपस्थित।

वल्लभाचार्य जयंती के अंतर्गत हुई रंगोली बनाओ, मालाजी बनाओ प्रतियोगिता

उज्जैन। वल्लभाचार्य जयंती के अंतर्गत रंगोली बनाओ एवं मालाजी बनाओ प्रतियोगिता श्रीनाथजी मंदिर की हवेली ढाबा रोड पर आयोजित की गई। जिसमें वैष्णवो ने प्रतियोगिता भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं ट्रस्टी विट्ठल नागर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के संयोजक नूपुर नीमा, वर्तिका नागर, हेतल शाह, पारूल शाह, उन्नति नागर, शैफाली पटेल थे। सीमा दिसावल, उर्मिला बागड़ी, मयूर शर्मा द्वारा प्रतियोगिता का निर्णय किया गया। इसी के अंतर्गत शाम को महारास (गरबे) का आयोजन किया गया। जिसके अतिथि माया राजेश त्रिवेदी, पारूल शाह, कृष्ण माहेश्वरी, रेखा ओरा, मंजूषा मूंदड़ा थे। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। मंगलाचरण पूर्णिमा शाह, संगीता नागर, मनीषा नागर, दीपा नागर द्वारा किया गया। प्रहलदास नीमा एवं राधारानी सुगंधी द्वारा हवेली के मुखियाजी का सम्मान धोती उपार्णा से किया गया और अतिथि को स्मृति चिन्ह कार्यक्रम संयोजक विट्ठल नागर, अमित नागर, जयेश श्रॉफ द्वारा प्रदान किए गए। संचालन आनंद पुरोहित द्वारा किया। अंत में आश्रय के पद कविता श्राफ, पल्लवी नागर, दीपाली शाह द्वारा किया जा कर कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस अवसर पर गिरधर गोपाल नीमा, विशाल नीमा, नितिन नीमा, अंतेश नीमा, राजश्री दिसावल, दीपा नागर, मनीष सामरिया, सरिता नागर, राहुल नागर, पवित्र नागर, अदिति नीमा, मनीष नागर, मनोज नागर आदि विशेष रूप उपस्थित थे।

चिंतन मनन करें, लघुकथा और अच्छा आकार लेगी-डॉ. वंदना गुप्ता

उज्जैन। हमें अपने ज्ञान को तराशना चाहिए। अपनी लिखी हुई लघुकथा पर चिंतन मनन करें। लघुकथा और अच्छा आकार लेगी। उक्त बात वरिष्ठ लेखिका, कालिदास कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने सरल काव्यांजलि संस्था द्वारा आयोजित लघुकथा गोष्ठी में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कही।

जानकारी देते हुए संस्था के वीएस गहलोत साकित उज्जैनी ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. स्वामीनाथ पांडेय ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि लघुकथा एक सूत्र है, जो समाज के हित में लिखा जाए वही साहित्य है। साहित्य सृजन उस भाषा में करें जो पाठक आसानी से समझ जाए। इंदौर के वरिष्ठ लघुकथाकार सतीश राठी ने अपने आडियो उद्बोधन में कहा कि आज सौ में से केवल बीस प्रतिशत लघुकथाएँ स्तरीय हैं। नये लघुकथाकार को हर स्तर पर अपनी लघुकथा जाँचना चाहिए। विषयों के दोहराव से बचना चाहिए। जानकारी देते हुए संस्था के वी.एस. गेहलोत साकित उज्जैनी ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ लघुकथाकार सन्तोष सुपेकर ने कहा कि आज लघुकथाओं में पारिवारिक, सामाजिक से लेकर मोबाईल, इंटरनेट, बाजारवाद, शेयर मार्केट तक के सारे विषय उठाए जा रहे हैं। हमारे लघुकथाकार अपना सर्वश्रेष्ठ देकर लघुकथा को साहित्य जगत का सिरमौर बनाना चाहते हैं, किन्तु क्या अभी भी कुछ कमी है हमारे प्रयासों में? क्या हमारी भाषा में, शिल्प में वह त्वरा, वह ताप उत्पन्न हो पा रहा है जिससे हमारी लघुकथा प्रेमचंद, खलील जिब्रान, जयशंकर प्रसाद, अंतोन चेखव, अर्नेस्ट हेमिंग्वे, गोर्की आदि विश्वविख्यात लेखकों के सृजन के समीप तक पहुँच सके? इस अवसर पर नगर के प्रसिद्ध लघुकथाकारों मानसिंह शरद, सन्तोष सुपेकर, वर्षा गर्ग (मुंबई), रामचन्द्र धर्मदासानी, कोमल वाधवानी प्रेरणा, आशागंगा शिरढोणकर, डॉ. नेत्रा रावणकर, संदीप सृजन, कमलेश व्यास कमल, आशीष श्रीवास्तव अश्क, प्रियम जैन, डॉ. वंदना गुप्ता और डॉ. स्वामीनाथ पांडेय ने अपनी प्रभावी लघुकथाओं का पाठ किया।

एक-एक वोट का प्रयोग राष्ट्र को शक्तिशाली बनता है-प्रदीप शर्मा

उज्जैन। भारतीय शिक्षण मंडल मालवा प्रांत महिला प्रकल्प के तत्वावधान में शक्ति पीठ मां हरसिद्धि मंदिर उज्जैन में सामूहिक दुर्गा चालीसा का पाठ कर मतदाता जागरूकता का आवाहन समस्त माता बहनों ने किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा किये गए आवाहन में एक-एक मत राष्ट्र को शक्तिशाली बनाता है, इसलिए हम सबको इस राष्ट्रीय यज्ञ में आगे बढ़कर आहुति प्रदान करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, संत कोशलेशानन्द, प्रांत सहसचिव डॉ. मनु गौराहा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में रतलाम एवं गुजरात प्रांत सोमनाथ से पधारे अतिथि डॉ. नरेंद्र सिंह पवार निर्देशक (राजा भोज जन कल्याण सेवा समिति), अवंतिका तीर्थ पुरोहित पं. मयूर दुबे, अंकित सिंह परमार, बालू भाई परमार, आचार्य पंडित विजय शर्मा, मानस पीयूष श्री शीला दीदी आदि का भा.शि.मं. मालवा प्रांत महिला प्रकल्प की प्रमुख डॉ. मंजू यादव, डॉ. रेणु लाखरे, संपर्क प्रमुख डॉ. प्रदीप लाखरे, डॉ. राजेश मीणा, ईशु तोमर ने प्रतीक चिह्न देकर स्वागत सम्मान किया।

संगठन गीत का गायन डॉ. रेणू लाखरे एवं ध्येय वाक्य का वचन श्रीमती कल्पना नायक द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रदीप शर्मा द्वारा सभी उपस्थित जन बहनों से मतदाता जागरूकता को लेकर अधिक से अधिक मतदान करने का आवाहन किया गया। इस अवसर पर राजा भोज जन कल्याण सेवा समिति के संयोजक डॉक्टर नरेंद्र सिंह पवार एवं उनके साथियों द्वारा डॉ. मनु गोरा, डॉ. प्रदीप लाखरे एवं सनातन ध्वज को आगे बढ़ा रही। पूज्य शीला दीदी, डॉ. प्रियंका चौबे आदि को प्रतीक चिन्ह से सम्मान किया गया।

महिला प्रमुख श्रीमती डॉ. मंजू यादव द्वारा प्रांत स्तरीय टोली में आचार्य शीला दीदी, डॉ. रेणु लाखरे, श्रीमती कल्पना नायक, श्रीमती श्वेता पाठक, श्रीमती रानी दुबे एवं अक्षिता यादव को शामिल किया गया। इसके बाद शिला दीदी द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं से एक स्वर में दुर्गा चालीसा पाठ कर मां भगवती से राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की गई। अंत में प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रियंका, डॉ. विद्या पवार, प्रज्ञा शर्मा, उमा पवार, ज्योति चौबे, रेखा चंदेल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन पं. रामचन्द्र नायक (मा.प्रां. गुरुकुल प्रमुख) द्वारा किया गया। अंत में आभार डॉ. मंजु यादव ने कल्याण मंत्र के साथ किया।

अधिकारियों द्वारा घर-घर पहुंचकर मतदाताओं की दी जा रही मतदाता पर्ची

उज्जैन। उज्जैन संसदीय क्षेत्र में 13 मई को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार मतदाताओं को घर घर जाकर मतदाता पर्ची वितरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। जो 8 मई तक जारी रहेगा। मतदाताओं को मतदान करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा जारी वोटर कार्ड के अलावा 12 अन्य प्रकार के पहचान पत्रों को प्रस्तुत कर मतदान करने की सुविधा दी गई है। इसके बारे भी मतदाताओं को बताया जा रहा है।

मतदाता पर्ची वितरण का कार्य बी एलओ सहित नियुक्त अधिकारियों द्वारा किया जा रहा हैं। मतदाता के घर पहुंच कर न केवल मतदाता पर्ची प्रदान की जा रही है बल्कि मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। मतदाताओं को मतदान करने की शपथ भी दिलाई जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार मतदाता पर्ची वितरण की सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, एसडीएम और जनपद सीईओ द्वारा ग्रामों का भ्रमण कर मतदाता पर्ची प्रत्येक मतदाता तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न विभाग एवं संस्थाओं को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये हैं। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रंगोली, पेंटिंग, मेंहदी पोस्टर, बैनर, निबंध, क्विज, शपथ सहित विभिन्न प्रकार की मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

होटल की छत से छात्रा ने लगाई छलांग

उज्जैन। इंदौर निवासी दसवीं कक्षा की छात्रा रविवार सुबह उज्जैन के कार्तिक चौक स्थित होटल की छत से पड़ोस की छत पर कूद गई। जिससे वह गंभीर घायल हो गई। छात्रा के इंदौर स्थित घर पर उसकी सहेली अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ आई थी।

मां ने डांट लगाई तो वह घर से भागकर उज्जैन आ रही थी। बस में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र निवासी पांच पंडित मिले, जिनके साथ वह होटल में ही रुकी थी। खाराकुआं पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि इंदौर निवासी दसवीं कक्षा की छात्रा शनिवार रात को घर से भाग गई थी। छात्रा के घर पर शनिवार को उसकी सहेली और ब्वॉयफ्रेंड आया था। मां को इसकी जानकारी लगी तो उसने छात्रा को डांट लगा दी थी।

छात्रा उज्जैन की बस में सवार हो गई थी। बस में चंद्रप्रकाश पुत्र संतोष कुमार मिश्रा उम्र 20 वर्ष निवासी खटौली पोस्ट परासी दुबे खतौली सोनभद्र उत्तर प्रदेश, सूरज पुत्र कामेश्वर पांडेय उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम घूरमा संत नगर राबटसगंज सोनभद्र उत्तर प्रदेश, रूद्र पुत्र अमरेशचंद्र पांडेय उम्र 20 वर्ष निवासी घुबास खुर्द, राबटसगंज सोनभद्र उत्तर प्रदेश, अक्षय पुत्र संतोष दुबे व एक नाबालिग मिला था।

छात्रा ने युवकों को बताया कि वह घर से भागकर आ रही है। उसकी मदद कर दो। इस पर चंद्रप्रकाश ने उसे कहा कि हमारी अपने परिवार के सदस्य से बात करवा दो। इस पर छात्रा ने मोहल्ले में रहने वाले युवक से बात करवाई थी। उसे बताया कि वह उज्जैन आ गई है और इन भइया के साथ है। युवक ने छात्रा के घर पर बताया था। जिस पर उसके स्वजन ने इंदौर पुलिस को सूचना दी थी। रात को छात्रा के स्वजन से बात करने के बाद युवक उसे अपने साथ कार्तिक चौक स्थित होटल मणिभद्र पैलेस ले गए, जहां वह युवकों के साथ ही रुकी थी।

युवकों ने होटल संचालक को बताया था कि वह उज्जैन दर्शन करने व पूजन करने आए हैं। सुबह दस बजे ट्रेन है वापस वाराणसी जाना है।

सुबह छात्रा ने अपने घर पर चंद्रप्रकाश के मोबाइल से घर पर बात की थी। इसके बाद वह होटल की छत पर पहुंची और वहां से छलांग लगा दी। जिससे वह होटल की पड़ोसी की छत पर गिर गई थी। इसकी जानकारी लगने पर सभी युवक व होटल संचालक उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे।

युवकों ने पुलिस को बताया कि सभी सात दिनों से खेड़ा घाट पर आयोजित हवन में शामिल होने के लिए आए थे।

सभी कर्मकांडी पंडित हैं। सात दिन के हवन के बाद वह शनिवार रात को उज्जैन में महाकाल दर्शन करने के लिए आए थे। यहां रविवार को दस बजे ट्रेन से वाराणसी जाना था।

छात्रा को उपचार के लिए उसके स्वजन जिला अस्पताल से रैफर करवाकर इंदौर ले गए। इंदौर में ही एमजी रोड थाने में छात्रा के अपहरण का केस दर्ज है।

14 मई को मनाया जाएगा भगवान श्री चित्रगुप्तजी का प्रगट उत्सव

उज्जैन। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी कायस्थ समाज के आराध्य देवता भगवान चित्रगुप्त का प्रगट उत्सव 14 मई मंगलवार को अंकपात क्षेत्र स्थित भगवान श्री चित्रगुप्तजी के मंदिर पर मनाया जाएगा। चित्रगुप्त मंदिर सामाजिक न्याय ट्रस्ट के मंगेश श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त के प्रगट उत्सव को लेकर बैठक चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्यास पर रखी गई। बैठक में सर्वसम्मति से 14 मई मंगलवार को भगवान चित्रगुप्त के प्रगट उत्सव मनाये जाने का निर्णय लिया। जिसमें 14 मई को सुबह 8 बजे भगवान चित्रगुप्त को 5 नदियों के जल से जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाये जाएंगे। साथ ही विधि विधान द्वारा हवन पूजन एवं भोजन प्रसादी का कार्यक्रम होगा जो दोपहर 2 बजे तक रहेगा। जिसमें समस्त कायस्थ समाजजन सम्मिलित होंगे। बैठक की अध्यक्षता चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने की। बैठक में अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, गणेश गौड़, भरत सक्सेना, दिनेश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, नरेश श्रीवास्तव, मंगेश श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, त्रिलोक निगम, अनिल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। इस दौरान दायित्व भी सौंपे गये जिसमें भोजन व्यवस्था भरत सक्सेना एवं संजय श्रीवास्तव, मंच व्यवस्था मंगेश श्रीवास्तव, गणेश गौड़, पूजा व्यवस्था अंबिका श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, कुलश्रेष्ठजी, सांस्कृतिक कार्यक्रम की जिम्मेदारी उर्मिला श्रीवास्तव, पल्लवी श्रीवास्तव ने ली।

15 हजार से अधिक पंचक्रोशी यात्री लाभान्वित हुए

उज्जैन। 118 किलोमीटर की पंचक्रोशी यात्रा पर निकले पंचक्रोशी यात्रियों हेतु 'अंकित ग्राम', सदुरू धाम सेवाधाम आश्रम पंचक्रोशी पड़ाव स्थल पर सदुरू दर्शन, भव्य सुसज्जित बिस्तरयुक्त पण्डाल, सदुरू प्रसादम्-फरियाली खिचड़ी, चाय, नमकीन परमल, पानी की प्याऊ, उर्जा पेय, गुरूजी ठण्डाई, आनन्द स्टाल-कपड़ो का आनन्द, सदुरू चिकित्सालय एवं एम्बूलैंस सुविधा, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या, दिव्यांगों हेतु व्हीलचेयर, बुजुर्गों, दिव्यांगों के आराम हेतु पलंग-बिस्तर की सुविधा आदि से सम्बन्धित विविध सेवा कार्य किये गये, लगातार 30 घण्टे तक अनवरत चले इन सेवा कार्यो से हजारों धर्मालुजन लाभान्वित हुए। आश्रम संस्थापक सुधीर भाई के नेतृत्व में श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी, गौरी दीदी, श्रीमती अनिता गोयल, जलगांव से राजकुमार अग्रवाल, श्रीमती कीर्ति अग्रवाल, हैदराबाद से विमला जालान, दिल्ली से ओमप्रकाश बगड़िया, इन्दौर से सर्वश्री निर्मल गोयल, सीए अभिषेक गोयल, श्रीमती वर्षा गोयल, झालावाड़ से शुभम राठौर आदि ने पंचक्रोशी की सेवा में सहभागिता की। सुधीर भाई ने बताया कि उज्जैन नगर में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली पंचक्रोशी यात्रा में आश्रम के समक्ष स्थित श्री बिल्वकेश्वर मंदिर स्थित पड़ाव और सेवाधाम आश्रम पड़ाव स्थल पर 4 अप्रैल से लगातार हज़ारों यात्रियों के आने-जाने का सिलसिला चलता रहा, 15 हजार से अधिकयात्री पड़ाव स्थल पर पहुँचे।

रात्रि में दो बजे अंकितग्राम सदुरू धाम पड़ाव स्थल पर पैर रखने की भी जगह नही बची थी, जिसे जहां स्थान मिला वह वहीं विश्राम करने लगा, श्रीरामकृष्ण बालगृह के बच्चों ने काफी उत्साह से पंचक्रोशी यात्रियों का स्वागत सत्कार में सहयोग किया। पंचक्रोशी यात्रा के पश्चात सुधीर भाई एवं युवा टीम ने पंचक्रोंशी मार्ग की स्वच्छता भी की।

माइक्रो आब्जर्वर के लिए आयोजित प्रशिक्षण सम्पन्न

आगर-मालवा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 सुचारू एवं निष्पक्ष निर्वाचन हेतु नियुक्त माइक्रो आब्जर्वर को शनिवार को जिला पंचायत आगर के सभाकक्ष में प्रशिक्षण दिया गया।

जिले के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रो. सुशील कटारिया एवं रजनीश स्वर्णकार द्वारा माईक्रो आब्जर्वर को उनके दायित्वों से अवगत करवाते हुए मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर माकपोल, वास्तविक मतदान सहित अन्य सभी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने हेतु प्रशिक्षित करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस प्रशिक्षण में विधान सभा क्रमांक-166 आगर(अजा), लोक सभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-21 देवास (अजा.)के लिए 66 नामांकित माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित हुए, जिन्हें नोडल अधिकारी प्रशिक्षण श्री जितेन्द्र सिंह सेंगर द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में नोडल अधिकारी (माइक्रो आब्जर्वर) पवन स्वर्णकार द्वारा प्रशिक्षण अनुसार सौंपे गए दायित्वों के निर्वाहन हेतु अवगत कराते हुए, निर्वाचन की शपथ उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई जाकर सभी का आभार व्यक्त किया गया।

बच्चों के मन में बैर, बदले की भावना नहीं भरनी चाहिये

उज्जैन। बच्चों के मन में बैर, बदले की भावना नहीं भरनी चाहिये, कुटुंब परिवार में कितना ही विवाद हो पर उनके प्रति बच्चों के कान में कभी जहर नहीं भरे, कभी बच्चे में ईर्ष्या के भाव नहीं भरें। नारी जो सावधान रहे तो इस युग में भी फिर से राम कृष्ण आ सकते हैं।

गर्भ के समय जो मां सोचती है, विचारती है सब कुछ बच्चे पर असर पड़ता है। कभी कोई आपके साथ बुरा व्यवहार करे, आप भूल जाईयेगा, आनंद मिलेगा, बदले की भावना मन में रही तो आप जिंदगी भर जलते रहोगे। कोई ऐसा व्यवहार करे जो जिंदगी भर नहीं भूल पाओ उसे भी दिल से डिलिट कर दीजिये, ये प्रकृति किसी को नहीं छोड़ती, ये प्रकृति 10 गुना बदला लेती है, आप छोड़ दीजिये प्रकृति बदला ले लेगी। उक्त बात शिव महापुराण कथा के नवें दिन श्री गिरि बापु महाराज ने कही। हरसिद्धि माता मंदिर के पीछे नृसिंह घाट रोड़ स्थित झालरिया मठ पर आयोजित शिव महापुराण कथा में महाराजश्री ने ओंकारेश्वर महादेव की महिमा के गुणगान से 12 ज्योतिर्लिंग की कथा प्रारंभ की तथा केदारेश्वर, भीमाशंकर, विश्वेश्वर (विश्वनाथ), त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, घुष्मेश्वर (घृष्णेश्वर) महादेव की कथा सुनाई। महाराजश्री ने कहा जीवन में सितारे की तरह चमकना है, जिस काम में आप हैं, उसमें समर्पण कर दीजिये। कर रहा हूं, कर लूंगा के भरोसे रहे तो लुटिया डूब जाएगी। जिस क्षेत्र में काम कर रहे हें, ये ही आपका भगवान है, संपूर्ण उसमें खो जाईये जिस काम में है वो काम करें उसे संपूर्ण प्रेम करें, गहराई से करें, भाव से करें, सफल हो जायेंगे। जिस कार्य में भाव नहीं मिलता उसमें भगवान कभी मदद नहीं करता। महादेव की दुनिया केवल भाव से भरी हुई है, माला हो, पूजा हो न हो, मन में भाव होना चाहिये शिवजी की दुनिया भाव प्रधान है। हमारा प्रयास होना चाहिये जो भी हमारे पास आए सकारात्मक उर्जा मिले, हमारी नेगेटिव उर्जा नहीं होनी चाहिये सबके प्रति सुख और कल्याण का भाव रखें। अहंकारी लोगों के सामने कभी कुछ नहीं बोलना चाहिये, चुप रहने में ही भलाई है। जिनके जीवन में सत्संग नहीं जीवन जहर है, सत्संग हमारे लिये अमृत है, थोड़ी देर के लिये ही सही सत्संग करो, श्रेष्ठ पुस्तकों का, श्रेष्ठ ग्रंथों का वाचन करो। श्रेष्ठ महापुरूषों के साथ रहो। जीवन में जो भी खेल है, मन का खेल है। श्री गिरि बापु महाराज भक्तों से कहा कहीं भी देवी देवता के नाम से जीवों की हत्या की जाती है, गलत है। हमारी संस्कृति है अहिंसा परमो धर्मः। हम देवता की प्रतिमा के सामने कैसे मार सकते हैं, हम सनातनी है, दया भाव पहला धर्म होना चाहिये। हम चींटी को नहीं मारते, हम देवी देवताओं के नाम से हत्या करते हैं उनकी ही प्रतिमाओं के सामने, यह गलत है। 18 पुराणों में कहीं भी व्यास ने नहीं कहा पशुओं की बलि दी जाए, शराब का सेवन कहीं भी नहीं कहा। महाराजश्री ने कहा तीरथ करने जाओ तो मन से जाओ पिकनिक के रूप में गए तीर्थ गए तो कुछ नहीं मिलेगा, तीर्थ में मन से जुड़िये। सभी तीर्थ आज उभर रहे हैं, बहुत लोग दर्शन करने आ-जा रहे हैं। कुछ वर्षों पहले की ही बात है महाकालेश्वर मंदिर में ही इतने लोग नहीं आते थे, और आज हजारों लोग रोज आ रहे हैं, पूरा माहौल बन रहा है, आध्यात्मिकता बढ़ रही है, विद्वत्ता बढ़ रही है। धर्म का संदेश का प्रचार प्रसार करने वाले ब्राह्मण बालक इस दिशा में पढ़ रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं। कोई भी तीर्थ यात्री आता हो उसका कहीं अनादर न हो, इस बात का ध्यान रखें।

दूर दूर से कोई आ रहा है वह आपका महाकाल है। कोई भी यात्री का अपमान नहीं होना चाहिये यहां महाकाल को मिलने के लिए महाकाल आ रहा है। विशेष की विशेष व्यवस्था अपनी जगह है लेकिन यात्री का अनादर नहीं होना चाहिये, यात्री का अपमान नहीं होना चाहिये। ये महाकाल महादेव हैं, एक दिन ऐसा आएगा जब यहां देश से ज्यादा विदेशों से लोग आएंगे। महाराजश्री ने कथा की पूर्णाहुति पर कहा रक्तदान और मतदान दोनों गुप्तदान है, रक्तदान देह की रक्षा करते हैं मतदान देश की रक्षा करते हैं। इसलिए मतदान हमें अवश्य करना चाहिये। स्व. श्री मोती लाल खण्डेलवाल एवं स्व. श्रीमति इमरती देवी के पावन आशीर्वाद से आयोजित शिव महापुराण कथा की पूर्णाहुति रविवार 5 मई को हुई। 9 दिनों तक हुए इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने पर सुभाष चन्द, सुरेश चन्द, सुरेन्द्र, विशाल, हितेश, नितेश, निखिल, निमेश खण्डेलवाल सहित समस्त बाजरग्यान परिवार दिल्ली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मैकेनिक मिलन समारोह में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने वाले मैकेनिकों का किया सम्मान

उज्जैन। ऑटोमोटिव सेक्टर में अग्रणी लब्रिकेंट निर्माता कंपनी एसरॉन इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अबिका एलीट होटल में मैकेनिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने वाले मैकेनिकों को आकर्षक पुरस्कार दिये गये। इस मिलन समारोह में उज्जैन व आसपास के क्षेत्रों के मैकेनिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। एसरॉन इंडस्ट्रिज द्वारा 3 रॉयल एनफील्ड की बुलेट मोटर साइकिल, 29 होंडा शाइन मोटरसाइकिल व 127 स्मार्ट फोन पुरस्कार में वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त आयोजन में शामिल सभी प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार भी दिए गए। कंपनी के मार्केटिंग डायरेक्टर रजनीश यादव ने कंपनी की विगत वर्ष में उपलब्धियों की जानकारी दी तथा भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा साँझा की। कंपनी के सीईओ राहुल कौशिक ने विभिन्न उत्पादों की विशिष्टताओं से अवगत करवाया और कंपनी द्वारा चलाई जा रही स्कीमों का वर्णन किया।

कंपनी एसरॉन इंडस्ट्रीज के सभी अधिकारियों द्वारा स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटर राज ऑटो एजेंसी के राज राझानी द्वारा कंपनी के उत्पादों की मार्केटिंग के लिए किये गये अथक प्रयासों की सराहना की गई।

क्या चाहते हैं पहली बार वोट डालने वाले?

लोकसभा चुनावों में मतदान के तीन चरण समाप्त हो चुके हैं, लेकिन जैसे-जैसे चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है पार्टियों के चुनावी अभियान और भड़काऊ होते जा रहे हैं। ऐसे में बेरोजगारी जैसी बड़ी समस्या पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रोजगार रहित आर्थिक विकास यानी जॉबलेस ग्रोथ से पिछली सरकारें भी जूझती रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के खिलाफ विशेष आरोप यह है कि उसके कार्यकाल में बेरोजगारी इतनी बढ़ गई जितनी बीते चार दशकों में नहीं बढ़ी थी। यह बात सरकारी आंकड़े 2019 में ही दिखा रहे थे। फरवरी, 2019 में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एक सरकारी सर्वेक्षण में पाया गया कि बेरोजगारी 45 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर थी, लेकिन सरकार ने इस रिपोर्ट को जारी नहीं किया। आखिरकार मई, 2019 में सरकार को इन आंकड़ों को सार्वजनिक करना ही पड़ा। आंकड़ों के मुताबिक 2017-18 में बेरोजगारी दर 6.1 प्रतिशत थी, जो 45 सालों में सबसे ऊंचा स्तर था। इस रिपोर्ट को आए पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी स्थिति नाजुक ही बनी हुई है।

ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अक्तूबर से दिसंबर, 2023 के बीच देश के शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत थी। निजी संस्थानों का आकलन इससे ज्यादा गंभीर है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के मुताबिक फरवरी, 2024 में कुल बेरोजगारी दर आठ प्रतिशत हो गई थी।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इकनोमिक स्टडीज एंड प्लानिंग के प्रोफेसर प्रवीण झा कहते हैं, बेरोजगारी वाकई में एक बड़ी समस्या है। सर्वसम्मत राय यह है कि कुल मिलाकर रोजगार की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

कई जानकारों का कहना है कि उन्हें विशेष रूप से युवा बेरोजगारी के बढ़ने की विशेष रूप से चिंता है। सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि 2022-23 में 15-29 साल के युवाओं में से लगभग 16 प्रतिशत युवा कौशल की कमी और अच्छी नौकरियों की भी कमी की वजह से बेरोजगार रह गए। निजी संस्थाओं का मानना है कि स्थिति इससे कहीं ज्यादा खराब है। सीएमआईई के मुताबिक युवा बेरोजगारी दर 45.4 प्रतिशत है। हाल ही में जारी की गई एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर तीसरा युवा ना तो पढ़ाई कर रहा है, ना ही नौकरी और ना ही कोई प्रशिक्षण हासिल कर रहा है।

यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने नई दिल्ली स्थित थिंक-टैंक इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी) के साथ मिलकर जारी की थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अशिक्षित युवाओं के मुकाबले ज्यादा पढ़े लिखे युवाओं को नौकरी मिलने की संभावना और कम है। जहां अशिक्षित युवाओं में 3.4 प्रतिशत बेरोजगारी दर पाई गई, वहीं ग्रेजुएट युवाओं में यह दर 29.1 प्रतिशत पाई गई। माध्यमिक या उच्च शिक्षा पा चुके युवाओं में बेरोजगारी दर 18.4 पाई है।

आईएचडी के सेंटर फॉर एम्प्लॉयमेंट स्टडीज के निदेशक प्रोफेसर रवि श्रीवास्तव ने इस रिपोर्ट को बनाने वाली की टीम का नेतृत्व किया था। उन्होंने बताया कि युवा बेरोजगारी देश की बेरोजगारी समस्या के केंद्र में है।

उन्होंने कहा, बाकी सब अंडरएम्प्लॉयमेंट है, या जिसे हम छिपी हुई बेरोजगारी कहते हैं, जिसमें लोग काम तो कर रहे हैं लेकिन या तो उन्हें बहुत कम वेतन मिल रहा है या वो बहुत कम दिनों के लिए काम कर पा रहे हैं। लेकिन जहां तक ओपन अनएम्प्लॉयमेंट का सवाल है, उसका सबसे बड़ा हिस्सा युवा बेरोजगारी से ही बनता है।

हर साल करोड़ों युवा रोजगार के बाजार में कदम रखते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरियों की कमी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। देश की आबादी में युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी को जनसांख्यिकीय लाभांश या डेमोग्राफिक डिविडेंड माना जाता है, लेकिन जानकार चेताते हैं कि बेरोजगारी इस युवा शक्ति को एक बोझ में बदल सकती है।

अर्थशास्त्री प्रोफेसर अरुण कुमार कहते हैं कि उनके और उनके साथियों का अनुमान है कि देश में पहले से करीब 28 करोड़ नौकरियों की कमी है और उसमें हर साल रोजगार के बाजार में कदम रखने वाले करीब 2.4 करोड़ युवा जुड़ते हैं।

कुमार ने यह भी बताया, इसके विपरीत हर साल संगठित क्षेत्र में सिर्फ करीब पांच लाख नौकरियों का ही सृजन हो पाता है, जबकि बाकी सारी नौकरियां असंगठित क्षेत्र में हैं, जैसे किसी ने पकोड़े तल लिए, किसी ने सब्जी बेच ली, मूंगफली बेच ली, रिक्शा चला लिया, माल ढो लिया आदि। ऐसे हालात में क्या इतनी भीषण गर्मी में अपना वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों तक जाने वाले लोगों के मन में बेरोजगारी एक मुद्दा नहीं है? अप्रैल में नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले 62 प्रतिशत लोगों ने कहा कि नौकरी ढूंढना पहले के मुकाबले आज ज्यादा मुश्किल है।

27 प्रतिशत लोगों ने यह भी कहा कि चुनावों में किसे वोट देना है यह तय करने के लिए उनके सामने बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण विषय है। हालांकि बीजेपी चुनावों के दौरान इस विषय से कतरा रही है।

आर्थिक मामलों पर बीजेपी प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल से बेरोजगारी पर टिप्पणी के लिए अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने हमारे सवाल का जवाब नहीं दिया।

विपक्षी पार्टियों का इंडिया गठबंधन बेरोजगारी और अन्य आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर मतदाताओं को अपनी तरफ करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मतदाता किसकी सुनते हैं यह जानने के लिए दोनों ही पक्षों को चार जून का इंतजार रहेगा।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान लिये सभी तैयारियां पूरी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के लिए मंगलवार को 12 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 93 सीटों पर मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

तीसरे चरण में 120 महिलाओं सहित 1351 प्रत्याशियों की किस्मत तय होना है। तीसरे चरण में जिन प्रत्याशियों का भविष्य दाव पर है उनमें केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, सांसद डिंपल यादव और सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गज नेता शामिल हैं।

तीसरे चरण का चुनाव प्रचार अभियान रविवार शाम छह बजे थम गया था। मतदान के लिए दूरदराज के मतदान केन्द्रों पर मतदान सामग्री के साथ चुनाव अधिकारियों के दल को समय से रवाना कर दिया गया था। मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चुनाव आयोग ने वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध करने के साथ साथ मतदाताओं गर्मी से बचाने के लिए मतदान केन्द्रों पर छाया और जल की सुविधाएं की हैं।

चुनाव आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये मतदाता जागरूकता अभियान के कई कार्यक्रम कर रहा है। तीसरे चरण में 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के 93 लोकसभा सीटों के लिये वोट पड़ेंगे, इनमें बिहार की पांच, मध्य प्रदेश की नौ, असम की चार,छत्तीसगढ़ की सात, कर्नाटक की 14, गोवा की दो, गुजरात की 25, महाराष्ट्र की 11, उत्तर प्रदेश की 10, बंगाल की चार, दमन और दीव की दो सीट शामिल हैं।

राम मन्दिर की जगह बाबरी मस्जिद बनाने का कांग्रेसी मंसूबा पूरा नहीं होंने देंगे-विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कहा कि राम मन्दिर की जगह बाबरी मस्जिद बनाने का कांग्रेसी दिवास्वप्न साकार नहीं होने दिया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा है कि कांग्रेस के एक पुराने वरिष्ठ नेता ने यह खुलासा किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सत्ता में आने के बाद राम मंदिर की जगह बाबरी मस्जिद बनाएंगे चाहे उसके लिए उच्चतम न्यायालय के निर्णय को बदलने के लिए शाहबानो मामले की तरह संविधान में संशोधन करना पड़े। उनका यह इरादा काफी चिंताजनक है। इसका अभी तक किसी ने खंडन नहीं किया है। इसका मतलब उन्होंने इस आरोप को स्वीकार कर लिया है।

डॉ. जैन ने कहा कि इंडी गठबंधन का यह निर्णय विश्व के करोड़ों राम भक्तों के लिए एक बड़ी चुनौती है। राम

मंदिर की जगह बाबरी मस्जिद बनाने के इरादों का राम भक्त हमेशा की तरह मुंह तोड़ जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन का सनातन विरोधी एवं राम विरोधी चरित्र बार-बार सामने आता रहा है। इस अपवित्र गठबंधन के सदस्यों ने ही अयोध्या में कारसेवकों का नरसंहार किया था और गोधरा में 59 कारसेवकों को जिंदा जलाने वालों का साथ दिया था। कांग्रेस ने तो राम मंदिर के निर्णय को लटकाने व भटकाने के लिए वरिष्ठ वकीलों की एक फौज ही खड़ी कर दी थी। तब भी राम भक्तों के संकल्प के सामने इनमें से किसी के राम मंदिर विरोधी षड्यंत्र सफल नहीं हो सके और भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया तो इन्होंने यह नया प्रपंच रचा है।

उन्होंने कहा कि ये सत्ता में आने पर संविधान को बदल देना चाहते हैं और राम मंदिर की जगह बाबरी मस्जिद बनाना चाहते हैं। इन्होंने अपने इरादे मुस्लिम समाज को पहले ही बता दिए हैं। इसलिए ऐसे असदुद्दीन ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता बार-बार बाबरी की बात करके मुस्लिम समाज को भड़काते हैं। इनके भड़काने पर ही कुछ लोग वक्त आने पर बाबरी मस्जिद बनाने की धमकी देते हैं।

यज्ञ का महाआरती कर भंडारे के साथ हुआ समापन

उज्जैन। चिंतामण जवासिया स्थित देवस्थान चमन कुटी आश्रम स्थित श्री पंच दास जूना अखाड़ा के शिव मंदिर पर पांच दिवसी यज्ञ का भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरु आत से पहले शोभा यात्रा निकाली गई इसके बाद 5 दिनों तक यज्ञ किया गया।

महंतश्री पुरुषोत्तम पुरी महाराज एवं हिमालय गिरी कामाख्या थानापति ने बताया कि भारतीय संस्कृति को छोड़कर लोग विदेशी संस्कृति को ज्यादा अपने लगे हैं। लेकिन भारत एक सनातन धर्म की भूमि धर्म केवल भारत में ही है। इस बात को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पिछले कई वर्षों से साधु संत उज्जैन में पांच दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया।जन-जन तक यह प्रचार करते हैं कि विदेशी संस्कृति को छोड़कर हमें भारतीय संस्कृति जहां हम रहते हैं उसे ही अपनाना चाहिए।

पांच दिवसी यज्ञ के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु संत एवं आसपास के ग्रामीण के शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर विशेष रूप से राजस्थान से आए महंत श्री दीपकपुरी जी महाराज शामिल हुए और सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। 5 दिनों तक वेद मंत्र उच्चारण के साथ हवन, पूजन, यज्ञ हुआ। साधु, संत, महात्माओं की मौजूदगी में तप, साधना, हवन, पूजन के साथ यज्ञ संपूर्ण विश्व के मंगल की कामना को लेकर किया गया। यज्ञ पूजन से संपूर्ण ब्रह्मांड शुद्ध होता है, ऐसे संपूर्ण विश्व का भला हो, की कामना को लेकर 5 दिन यज्ञ में चिंतामन जवासिया, तालोद, रत्नाखेड़ी, मंगरोला, हसामपुरा, पालखेड़ी, चांदमुख, बामोरा, चंदूखेड़ी सहित आसपास के कई गांव के भक्त और श्रद्धालु पहुंचे। पांचवें दिन पूर्णाहुति पर भंडारे का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस मौके पर चंदन भारती, अमन भारती, धर्मेंद्र गिरी, नितेश गिरी, भैरव गिरी, हनुमान गिरी, संतोष गिरी, अक्षय गिरी आदि संत एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित है।

मोदी की अगुवाई में देश धर्म राष्ट्र बन रहा है-श्रीमंत रवींद्र पुरी जी महाराज

उज्जैन। जो राजनीतिक दल सनातन के हित एवं इसका परचम फहराने के लिए काम करेगा हमेशा देश का साधु समाज उसके साथ खड़ा रहेगा। सालों पुराने श्री राम मंदिर निर्माण के सपने को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है इससे सभी साधु समाज एवं सनातन धर्मावलंबियों में खुशी की लहर है। ये देश अब धर्म राष्ट्र की ओर करवट ले रहा है, ये सब सनातन धर्म के संगठित होने से संभव हुआ है। जो सपना मोदी जी ने देखा हे हमें भी उसे पूरा करने में पूर्ण योगदान देना है।

कुछ ऐसे उद्गार सोमवार शाम अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं पंच दशनाम जूना अखाड़ा के संयोजन में आयोजित संत सम्मेलन 2024 के दौरान पूज्य संतो ने व्यक्त किए।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रविंद्रपुरी जी महाराज ने कहा कि हम सब भगवाधारी हैं और जो पार्टी भगवा का समर्थन करती है हम उसी का साथ देंगे। किसी समय में लोग हिंदुत्व की बात करने में सोचते थे, आज हमे गर्व होता है की हम हिंदू है। उज्जैन नगर के लिए गौरव है की केंद्रीय नेतृत्व ने यहां से डॉ. मोहन यादव जी को सीएम बनाया। उनकी अगुवाई में सिंहस्थ महापर्व का भव्य आयोजन होगा। जिसके लिए हमारी अधिकारियों से चर्चा हुई है। जल्द उज्जैन में अखाड़ा परिषद की बैठक करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न अखाड़ों मठ आदि के 200 से अधिक साधु संतों ने अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रसन्नता जताई। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद पड़ाव स्थल शिवांजली गार्डन में आयोजित संत सम्मेलन में डॉ. रामेश्वर दास जी ने साधु समाज के संगठित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि यह देश ऋषि मुनियों की परंपरा से चलता है और जो राजनीतिक दल देश की धार्मिक, विरासत संस्कृति व परंपराओं का सम्मान करें हमें भी उसका साथ देना चाहिए। कार्यक्रम को वाल्मिकी धाम के बाल योगी उमेशनाथ जी महाराज ने सभी को राष्ट्र हित में मतदान करने का आव्हान किया।

चारधाम मंदिर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर पूज्य शांति सावरूपानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर डॉ. सुमानंद गिरी जी महाराज, भर्तहरी गुफा के महंत रामनाथ जी महाराज, डॉ. रामेश्वर दास जी महाराज,अवधेश पूरी महाराज,अग्नि अखाड़े के महंत कृष्णानंद ब्रह्मचारी लाल बाबा, आव्हान अखाड़े के महंत सेवानंद गिरी जी महाराज,दिग्विजय दास महाराज,रामचंद्र दास महाराज, जूना अखाड़े के रामेश्वर गिरी महाराज, स्वामी नारायण मंदिर के महंत आनद जीवन दास महाराज, महंत देव गिरी महाराज, महंत विद्या भारती जी, महंत सुरेश्वरानंद जी सहित सभी अखाड़ों के महंत मौजूद रहे। कार्यक्रम से पूर्व भाजपा प्रत्याशी सांसद अनिल फिरोजिया ने सभी संतो को पुष्प माला पहनकर स्वागत किया एवं उनका आशीर्वाद लिया।

तैराकी खेल के साथ जीवन रक्षा की कला भी है-जस्टिस अनिल वर्मा

उज्जैन। खेल एवं युवा कल्याण विभाग और उज्जैन जिला तैराकी संघ उज्जैन के तत्वावधान में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिये महानंदा नगर स्विमिंग पूल पर निःशुल्क तैराकी शिविर का उद्घाटन जस्टिस अनिल वर्मा इंदौर हाईकोर्ट और प्रेसिडेंट-फिनस्विमिंग एड अंडर वॉटर स्पोर्ट्स ऐसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश, डॉ. सनवर पटेल, संस्थापक अध्यक्ष जिला तैराकी संघ, उज्जैन और अध्यक्ष एमपी वक्फ बोर्ड, उज्जैन एडीजे वीरेन्द्र वर्मा, कपिल भारद्वाज सचिव विधिक सेवा, ओपी हरोड़ जिला खेल अधिकारी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर कॉर्डिनेटर दीपक जैन के अनुसार जस्टिस श्री वर्मा का परिचय और स्वागत एडव्होकेट यशपाल सिंह सिसौदिया और डॉ. गौरव प्रधान ने किया। उज्जैन जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष डॉ. (सीए) अनुभव प्रधान, उपाध्यक्ष चित्रेश शर्मा और सचिव हरीश शुक्ला ने तैराकी शिविर के बारे में अतिथियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर के उद्घाटन पर दीप ज्योति वेलफेयर सोसाइटी के डायरेक्टर चेतन अहिरवार ने सभी बच्चों को एनर्जी ड्रिंक और चॉकलेट्स का वितरण किया गया। शिविर में जज्बा फाउंडेशन के अध्यक्ष सरफराज कुरैशी, शैलेंद्र व्यास-स्वामी मुस्कुराके, पंकज मिश्रा, योगगुरु कृति निगम वर्मा, समीर उल हक, सपना धाकड़, नीता बिड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। लगभग 300 बच्चों ने पहले दिन शिविर मे अपना पंजीयन करवाया।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)